* भारत में बेरोजगारी के निम्नलिखित कारण हैं।

(1) आर्थिक विकास की मंद गति :→ भारत में मानवीय एवं प्राकृतिक साधनों की प्रचुरता रहते हुए भी आर्थिक विकास की गति बहुत ही मंद रही है। परिणामस्वरूप रोजगार के अवसरों में पर्याप्त वृद्धि नहीं हो सकी है। अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े क्षेत्र कृषि में विकास की गति मंद होने का मुख्य कारण पूँजी निर्माण की मंद गति है।

(2) जनसंख्या वृद्धि :→ 130 करोड़ से भी अधिक जनसंख्या वाला देश भारत है। यहाँ की बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण विशाल जनसंख्या है। जो 1.03% वार्षिक दर से बढ़ रही है। जबकि रोजगार की सुविधाएँ उस दर से नहीं बढ़ रही हैं।

(3) शिक्षितों की संख्या में वृद्धि :→ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में शिक्षित व्यक्तियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है लेकिन उनके लिए रोजगार के पर्याप्त अवसरों की व्यवस्था नहीं हो पाया है। अतः शिक्षित वर्गों की बेरोजगारी ने देश में एक गंभीर समस्या उत्पन्न कर दिया है। बेरोजगारों में 60% शिक्षित बेरोजगार हैं।

(4) दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली :→ शिक्षित बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण हमारी दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली है। यहाँ सिद्धान्त प्रधान शिक्षा है जबकि इसको व्यवसाय-प्रधान होना चाहिए। एक कारण यह भी है कि यहाँ के लोग जब डिग्री लेकर निकलते हैं तो उनके पास पर्याप्त जानकारी के अभाव में डिग्री के

Scanned by CamScanner

अनुसार काम नहीं मिलता है और वे बेरोजगार की श्रेणी में आ जाते हैं।

(5) त्रुटिपूर्ण नियोजन :→ देश में 1951 से नियोजन का कार्य चल रहा है लेकिन यह नियोजन त्रुटिपूर्ण रहा है। इसमें रोजगारमूलक नीति का विस्तार भी धीमी गति से ही हुआ है अतः विद्वानों का मत है कि इस कारण भी बेरोजगारी में वृद्धि हुई है।

(6) दोषपूर्ण दृष्टिकोण :→ इस देश में बेरोजगारी का एक महत्वपूर्ण कारण शिक्षित व्यक्तियों द्वारा नौकरी चाहने की इच्छा है, वे स्वयं कोई उत्पादन कार्य प्रारंभ नहीं करना चाहते हैं। उनमें इस दोषपूर्ण विचार के कारण भी बेरोजगारी में वृद्धि हुई है।

(7) लघु एवं कुटीर उद्योगों का पतन :→ लघु एवं कुटीर उद्योग में कम पूँजी में अधिक रोजगार का सृजन होता है। लेकिन अंग्रेजों के दोहरी नीति के कारण लघु एवं कुटीर उद्योगों का पतन हो गया और बेरोजगारों की संख्या बढ़ गई। पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत अब इनमें कुछ विकास भी हुआ है।

(8) पूँजी की कमी :→ ग्रामीण क्षेत्र में धन का असमान वितरण होने के कारण कुछ किसान वर्ग में पूँजी की कमी है जिसके कारण वह व्यवसायिक कृषि नहीं कर पाते हैं और न ही उनकी कृषि अच्छी तरह होता है और उनके पास पूँजी के अभाव के कारण कोई छोटा व्यवसाय भी नहीं कर पाते हैं और वह बेरोजगार की श्रेणी में आते हैं।

Scanned by CamScanner

(IX) स्त्रियों द्वारा नौकरी :→ स्वतंत्रता से पूर्व बहुत थोड़ी-सी स्त्रियां नौकरी करती थी, लेकिन आज इनकी संख्या एवं प्रतिशत पहले से कहीं अधिक है। इससे कुछ में बेरोजगारी बढ़ी है।

(X) विदेशों से भारतीयों का आगमन :→ पिछले कुछ वर्षों से भारत के मूल निवासियों को कुछ देशों द्वारा निकाला जा रहा है। इन देशों में ब्रिटेन, श्रीलंका, कनाडा आदि प्रमुख है। इन देशों से भारतीयों के आने के कारण बेरोजगारी में वृद्धि हुई है।

Scanned by CamScanner